लोक सम्पर्क विभाग, चण्डीगढ़ प्रशासन

www.chandigarh.gov.in

प्रेस विज्ञप्ति

चण्डीगढ़, 6 सितम्बर - छठे वार्षिक मेगा आईटी कार्यक्रम 'ई-रेवोल्यूशन 2010' का आयोजन 29 से 30 सितम्बर तक होटल माउंट व्यू में किया जाएगा। 2 दिवसीय कार्यक्रम की मेजबानी चण्डीगढ़ प्रशासन और पंजाब सरकार द्वारा एसटीपीआई मोहाली के साथ की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के लिए 5 वर्षीय एजेंडा तैयार करने, तीव्र सामाजिक आर्थिक विकास सुनिश्चित करने, एमएसएमईज के लिए मूलभूत स्तर में सुधार करने और प्रभावी रूप से सिटीजन केंद्रीय सेवाओं के वितरण पर ध्यान दिया जाएगा।

पंजाब इनफोटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राकेश वर्मा ने बताया कि क्षेत्र को ज्ञान केंद्र के रूप में बदलने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स को शिक्षा, शासन, स्वास्थ्य और सेवाओं से संबंधित प्रत्येक क्षेत्र में आईसीटी का प्रयोग करना होगा।

श्री वर्मा ने बताया कि सम्मिलित प्रगति को सुनिश्चित करने में एमएसएमईज को काफी बड़ी भूमिका निभानी होगी ताकि निम्न स्तर के लोगों का विकास हो सके और उनका जीवन बेहतर बन सके।

ई-रिवाल्यूशन के सहयोगी, नास्कॉम और टाई के चंडीगढ़-पंजाब चैपटर ने विभिन्न चर्चाओं के लिए सफल एंट्राप्रिन्योर्स और लीडर्स को लाइन अप किया है।

नास्कॉम के प्रेजीडेंट श्री सोम मित्तल द्वारा चण्डीगढ़ और पंजाब के लिए पांच वर्षीय योजनाओं पर चर्चा में अग्रणीय भूमिका निभाई जाएगी। चर्चा में पिछले दो दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में

आए परिवर्तन में वैश्विीकरण और ज्ञान अर्थव्यवस्था की भूमिका पर ध्यान केंद्रीत किया जाएगा।

एसटीपीआई मोहाली के सेंटर हैड श्री अजय श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले दशक में क्षेत्र ने काफी प्रगति की है और यह श्रेष्ठ टायर-2 क्षेत्रों में शुमार हुआ है।

मुख्य सत्रों के दौरान, नेकस्ट जैनरेशन मार्केटिंग टूल जैसे वैब 2.0, ट्वीटर, फे सबुक, लिंकेडिन इत्यादि और कैसे इनका प्रयोग बढ़ते एसएमईज और नागरिक केंद्रीय सरकारों में किया जा रहा है, पर ध्यान केंद्रीत किया जाएगा। इसके साथ ही 3-जी टेक्नोलॉजी और क्रांति पैदा करते मोबाइल के प्रयोग एम गर्वेनेंस, एम बैंकिंग, एम कॉमर्स पर भी चर्चा की जाएगी।

चण्डीगढ़-पंजाब चैपटर ऑफ द इंडस एंट्राप्रिन्योर (टाई) के प्रेजीडेंट श्री पुनीत वत्सायन ने बताया कि हाल ही के शोधों से पता चलता है कि भावी प्रगति में छोटे और मध्यम संगठनों की काफी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

यूटी आईटी निदेशक श्री संदीप हंस ने बताया कि यह क्षेत्र उत्तर भारत में नॉलेज हब के तौर पर उभरा है और सरकार नये विचारों को सम्मिलित करने, अगले पांच सालों के लिए ड्रॉफ्ट विजन प्लान बनाने, एंट्राप्रिन्योरशिप को प्रोत्साहित करने और सम्मिलित प्रगति के लिए आईसीटी की लोकप्रियता को बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधियों के पास दूसरे दिन की सुबह गोल्फ का आनंद लेने और शहर की यात्रा करने का विकल्प मौजूद होगा।